**"बाघ परियोजना के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में बाघों द्वारा मारे गए व्यक्ति"**

3251. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में राज्यवार कौन-कौन से वन क्षेत्र बाघ परियोजना के अंतर्गत आरक्षित हैं;

(ख) बाघों द्वारा मारे गए व्यक्तियों के परिवारों को मुआवज़े के रूप में कितनी राशि दी जाएगी;

(ग) वर्ष 1993-94 से वर्ष 1995-96 के दौरान प्रतिवर्ष देश में राज्यवार बाघ परियोजना के अंतर्गत आने वाले किन-किन क्षेत्रों में कितने व्यक्ति बाघों द्वारा मारे गए एवं ऐसे प्रत्येक मृतक के परिवार को कितनी-कितनी राशि प्रदान की गई; और

(घ) उक्त अवधि के दौरान राज्यवार कितनी बाघों का अवैध रूप से शिकार किया गया?

**पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन जय नारायण प्रसाद निषाद):** (क) विवरण संलग्न है। **(नीचे देखिये)**

(ख) से (घ) सूचना एकत्र की जा रही है और सदन के पटल पर रख दी जाएगी।

## विवरण

| क्र० सं० | बाघ रिज़र्व का नाम | राज्य | कुल क्षेत्र (वर्ग कि०मी० में) |
|---|---|---|---|
| 1. | बांदीपुर | कर्नाटक | 866 |
| 2. | कार्बेट | उत्तर प्रदेश | 1316 |
| 3. | कान्हा | मध्य प्रदेश | 1945 |
| 4. | मानस | असम | 2840 |
| 5. | मेलघाट | महाराष्ट्र | 1597 |
| 6. | पलामू | बिहार | 1026 |
| 7. | रंथमभौर | राजस्थान | 1334 |
| 8. | सिमीलिपाल | उड़ीसा | 2750 |
| 9. | सुन्दरवन | पश्चिम बंगाल | 2585 |
| 10. | पेरियार | केरल | 777 |
| 11. | सरिस्का | राजस्थान | 866 |
| 12. | बुक्सा | पश्चिम बंगाल | 759 |
| 13. | इन्द्रावती | मध्य प्रदेश | 2799 |
| 14. | नागार्जुनसागर | आन्ध्र प्रदेश | 3568 |
| 15. | नामद्राफा | अरुणाचल प्रदेश | 1985 |
| 16. | दुधवा | उत्तर प्रदेश | 811 |
| 17. | कालाकड़-मुंदनथुराई | तमिलनाडु | 800 |
| 18. | वाल्मिकी | बिहार | 840 |
| 19. | पेंच | मध्य प्रदेश | 758 |
| 20. | ताडोबा-अंधेरी | महाराष्ट्र | 620 |
| 21. | बांधवगढ़ | मध्य प्रदेश | 1162 |
| 22. | पन्ना मध्य प्रदेश | मध्य प्रदेश | 542 |
| 23. | दाम्फा | मिजोरम | 500 |
| | | | 33046 |

**भेषजों के मूल्यों में वृद्धि**

3252. **श्री वेद प्रकाश पी० गोयल:**
**श्री रहसबिहारी बारिक:**

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि गत छः महीनों के दौरान जीवन रक्षक भेषजों तथा अन्य भेषजों के मूल्यों में तीव्र वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो भेषजों के मूल्य में कितने प्रतिशत वृद्धि हुई है;

(ग) इस वृद्धि के क्या कारण हैं; और

(घ) इस प्रकार के भेषजों के मूल्यों में वृद्धि को रोकने के लिए और उनकी उपलब्धता बनाये रखने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है?

**रसायन और उर्वरक मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री शीश राम ओला):** (क) और (ख) अन्य वस्तुओं की तरह दवाओं के दामों में वृद्धि अपरिहार्य है। फिलहाल समय-समय पर किए गए अध्ययनों से पता चलता है कि हाल में दवाओं की कीमतों में कोई असामान्य वृद्धि नहीं हुई है। फरवरी 96 से जुलाई 96 तक के 6 महीनों के दौरान थोक मूल्य सूचकांक (1981-82=100) औषधों "एवं" दवाओं के मूल्यों में 0.37% की वृद्धि दर्शाता है जबकि अन्य वस्तुओं के मूल्यों में वृद्धि बहुत अधिक (3.73%) थी।